PROF. RAJENDRA SINGH (RAJJU BHAIYA) UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

Annexure-11

MA SANSKRIT
EXAMINATION AND SYLLABUS SCHEME
(CREDIT AND GRADING SYSTEM)

COURSE CODE		COURSE TITLE	CREDITS	T/P	EVALUATION (MM=100)		
					INTERNAL		EXTERNAL
					CIE	PRACTICAL	ETE
Semester-I							
SAN-501	**CORE**	VED	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-502	**CORE**	VYAKARAN TATHA BHASHA VIGYAN	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-503	**CORE**	BHARTIYA DARSHAN	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-504	**CORE**	KAVYASHASHTRA	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-531	**CORE**	FIELD WORK/MINOR PROJECT/PRACTICAL	**4**	**P**	**-**	**100**	**-**
Semester-II							
SAN-505	**CORE**	VAIDIK SAHITYA	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-506	**CORE**	VYAKARAN, PALI TATHA PRAKRIT	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-507	**CORE**	BHARTIYA DARSHAN	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-508	**CORE**	KAVYASHASHTRA EVAM PRAKARAN	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-532	**CORE**	FIELD WORK/MINOR PROJECT/PRACTICAL	**4**	**P**	**-**	**100**	**-**
Semester-III							
SAN-601	**CORE**	SANSKRIT SAHITYA KA ITIHAS	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-602	**CORE**	VYAKARAN TATHA ANUVAD	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-603	**CORE**	KAVYASHASHTRA TATHA KAVYA	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-604	**CORE**	NATYASHASHTRA EVAM NATAK	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-631	**CORE**	FIELD WORK/MINOR PROJECT/PRACTICAL	**4**	**P**	**-**	**100**	**-**
Semester-IV							
SAN-605	**CORE**	SANSKRIT SAHITYA KA ITIHAS	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-606	**CORE**	VYAKARAN TATHA NIBANDH	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-607	**CORE**	KAVYASHASHTRA	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-608	**CORE**	KAVYA	**5**	**T**	**25**	**-**	**75**
SAN-632	**CORE**	FIELD WORK/MINOR PROJECT/PRACTICAL	**4**	**P**	**-**	**100**	**-**

There is:

CIE: Continuous Internal Evaluation.
Practical: 100% Internal
ETE: End Term Examination (University Examination).

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम –संस्कृत

एम0ए0– प्रथम वर्ष

दो सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा। प्रश्न–पत्र पॉच इकाईयों का होगा तथा प्रत्येक इकाई से अनिवार्यरूप से प्रश्न पूछे जायेगे और द्वितीय सेमेस्टर के साथ पृथक से 100 अंक की मौखिकी होगी।

एम0ए0, प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

वेद **पूर्णांक –100**

इकाई 1. ऋग्वेद – सवितृसूक्त (1/35), मरुत्सूक्त(1/85) तथा सूर्यसूक्त(1/115) –20
इकाई 2. ऋग्वेद – रुद्रसूक्त (2/35), मित्रसूक्त(3/59) तथा उषस्सूक्त(4/51) –20
इकाई 3. ऋग्वेद – मित्रावरुणौसूक्त (7/61), अश्विनौसूक्त(7/71) तथा वरुणसूक्त(7/86)–20
इकाई 4. ऋग्वेद – पर्जन्यसूक्त (5/83), अक्षसूक्त(10/34) तथा सृष्टिसूक्त(10/129) –20
इकाई 5. पदपाठ, स्वरांकन एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी 20

सन्दर्भग्रन्थ –

1. ऋग्वेद – सायणभाष्य सहित
2. ऋक्सूक्त संग्रह – डॉ0 हरिदत्त शास्त्री
3. वेदचयनम् – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
4. The New Vadic Selection – Tailang & Chaubey
5. Hymns from the Rgveda - A.A.Macdonell
6. Hymns from the Rgveda - Peter Peterson

एम0ए0,

द्वितीय प्रश्नपत्र

व्याकरण तथा भाषा विज्ञान पूर्णांक –100

इकाई 1 – अजन्त पुँल्लिंग – राम, सर्व, हरि, –20

इकाई 2 – अजन्त स्त्रीलिंग– रमा, मति, श्री

अजन्त नपुंसकलिंग– ज्ञानम् –20

इकाई 3 – हलन्त पुँल्लिंग – इदम्, राजन् –20

हलन्त स्त्रीलिंग तथा नपुंसकलिंग– उपानत्, चतुर्, धनुष्

इकाई 4 – भाषा का स्वरूप एवं प्रकृति, भाषाविज्ञान की परिभाषा, मुख्य अंग, गौण अंग एवम् उपयोगिता, प्राचीन भारत में भाषावैज्ञानिक कार्य, संस्कृत ध्वनियों का स्वरूप, स्थान एवं प्रयत्न, ध्वनिपरिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ, ध्वनिनियम– ग्रिम, ग्रासमान तथा बर्नर नियम –20

इकाई 5 – अर्थविज्ञान– अर्थपरिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ, भाषिक वर्गीकरण– आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरणकी सामान्य रूपरेखा, भारोपीय भाषापरिवार की विशेषताएँ तथा भाषाएँ, भारत–ईरानी भाषापरिवार, केन्तुम् और शतम् के आधार पर भारोपीय परिवार का वर्गीकरण, संस्कृत का क्रमिक विकास– प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा– पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश का सामान्य परिचय। –20

सन्दर्भग्रन्थ –

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भैमीव्याख्या
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी – धरानन्द शास्त्री
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – महेश सिंह कुशवाहा
4. भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना
7. भाषाविज्ञान – कर्णसिंह

एम0ए0,

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय दर्शन

पूर्णांक –100

इकाई 1 – तर्कभाषा– प्रमाण पदार्थ तथा प्रत्यक्ष निरूपण –20

इकाई 2 – तर्कभाषा – अनुमान तथा उपमान निरूपण –20

इकाई 3 – तर्कभाषा – शब्द निरूपण से प्रमेय निरूपण पर्यन्त –20

इकाई 4 – भारतीय षड् आस्तिक दर्शनों का परिचय –20

इकाई 5 – भारतीय नास्तिक दर्शनों का परिचय –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. तर्कभाषा – बदरीनाथ शुक्ल
2. तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर
3. तर्कभाषा – गजाननशास्त्री मुसलगॉवकर
4. तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री
5. भारतीय दर्शन – डॉ0 राधाकृष्णन
6. भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा
7. भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र

एम0ए0,

चतुर्थ प्रश्नपत्र

काव्यशास्त्र **पूर्णांक –100**

इकाई 1 – काव्यप्रकाश – प्रथम उल्लास –20

इकाई 2 – काव्यप्रकाश – द्वितीय उल्लास– तात्पर्या पर्यन्त –20

इकाई 3 – काव्यप्रकाश – द्वितीय उल्लास– लक्षणा निरूपण –20

इकाई 4 – काव्यप्रकाश – द्वितीय उल्लास– व्यंजना निरूपण –20

इकाई 5 – काव्यप्रकाश – तृतीय उल्लास –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री
3. काव्यप्रकाश – सत्यव्रत सिंह

एम0ए0,

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

वैदिक साहित्य **पूर्णांक –100**

इकाई 1 – निरुक्त प्रथम अध्याय– प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पाद –20

इकाई 2 – निरुक्त प्रथम अध्याय– चतुर्थ, पंचम तथा षष्ठ पाद –20

इकाई 3 – बृहद्देवता – 1 से 75 श्लोक –20

इकाई 4 – क. बृहद्देवता – शेष भाग –20

ख. तैत्तिरीयोपनिषद् – ब्रह्मानन्द वल्ली – प्रथम तथा द्वितीय अनुवाक्

इकाई 5 – तैत्तिरीयोपनिषद् – ब्रह्मानन्द वल्ली – शेष भाग –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. निरुक्त – आचार्य विश्वेश्वर
2. निरुक्त – डॉ0 कपिलदेव शास्त्री
3. बृहद्देवता – आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी
4. तैत्तिरीयोपनिषद् शांकर भाष्यसमेत – गीताप्रेस

एम0ए0–संस्कृत
द्वितीय प्रश्नपत्र
व्याकरण, पालि तथा प्राकृत

पूर्णांक –100

इकाई 1 – तिङन्त प्रकरण – भू धातु –लट्, लिट्, लुट् लृट् तथा लोट् लकारों की रूपसिद्धि –20
इकाई 2 – तिङन्त प्रकरण – भू धातु – लङ्, लिङ्, लुङ् तथा लृङ् लकारों की रूपसिद्धि –20
इकाई 3 – तिङन्त प्रकरण – अद्, हु, दिव्, सु, तुद्, रुध्, तन्, क्री, तथा चुर् धातुओं की रूपसिद्धि –20
इकाई 4 – धम्मपद – यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो तथा पुप्फवग्गो –20
इकाई 5 – कर्पूरमंजरी– प्रथम जवनिकान्तर –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भैमीव्याख्या
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी – धरानन्द शास्त्री
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्रीनिवास शास्त्री
4. धम्मपद – कनछेदी लाल गुप्त
5. धम्मपद – सत्यप्रकाश शर्मा
6. कर्पूरमंजरी – चुन्नीलाल शुक्ल
7. कर्पूरमंजरी – गंगासागर राय

एम0ए0–संस्कृत

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय दर्शन पूर्णांक –100

इकाई 1 – वेदान्तसार – खण्ड 1– 20 –20

इकाई 2 – वेदान्तसार – खण्ड 21– 49 –20

इकाई 3 – वेदान्तसार – खण्ड 50– 68 –20

इकाई 4 – सांख्यकारिका – कारिका 1– 30 –20

इकाई 5 – सांख्यकारिका – कारिका 31–72 –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. वेदान्तसार – सन्तनारायण श्रीवास्तव
2. वेदान्तसार – डॉ0 कृष्ण कान्त
3. सांख्यतत्वकौमुदीप्रभा – डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र
4. सांख्यकारिका – रामकृष्ण

एम0ए0–संस्कृत

चतुर्थ प्रश्नपत्र

काव्यशास्त्र एवं प्रकरण पूर्णांक –100

इकाई 1 – काव्यप्रकाश – नवम् उल्लास –20

इकाई 2 – काव्यप्रकाश – दशम् उल्लास– अतिशयोक्ति अलंकार पर्यन्त –20

इकाई 3 – काव्यप्रकाश – दशम् उल्लास – शेष भाग –20

इकाई 4 – मृच्छकटिकम् – अंक 1 से 4 तक –20

इकाई 5 – मृच्छकटिकम् – अंक 5 से 10 तक –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री
3. काव्यप्रकाश – सत्यव्रत सिंह
4. मृच्छकटिकम् – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी
5. मृच्छकटिकम् – डॉ0 गंगासागर राय
6. मृच्छकटिकम् – श्रीनिवास शास्त्री

मौखिक परीक्षा–100

एम0ए0– द्वितीय वर्ष– संस्कृत
साहित्य वर्ग

इसमें दो सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा। प्रश्नपत्र पॉच ईकाईयों का होगा तथा प्रत्येक इकाई के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। अन्तिम सेमेस्टर में 100 अंकों की मौखिकी परीक्षा पृथक् से होगी।

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र
संस्कृत साहित्य का इतिहास — पूर्णांक –100

इकाई 1 –वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय –20
इकाई 2 –उपजीव्य काव्य –रामायण तथा महाभारत का परिचय –20
इकाई 3 –महाकाव्य – लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख महाकाव्यों का परिचय –20
इकाई 4 –नाटक – लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख नाटकों का परिचय –20
इकाई 5 –खण्डकाव्य – लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख खण्डकाव्यों का परिचय –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 ए0बी0 कीथ
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी

एम0ए0–संस्कृत
द्वितीय प्रश्नपत्र
व्याकरण तथा अनुवाद

पूर्णांक –100

इकाई 1 –कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) – प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति –20

इकाई 2 –कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) – तृतीया, चतुर्थी तथा पंचमी विभक्ति –20

इकाई 3 –कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) – षष्ठी तथा सप्तमी विभक्ति –20

इकाई 4 –महाभाष्य– पश्पशाह्निक – आरंभ से 'शास्त्रपूर्वके प्रयोगेऽभ्युदयस्तत्तुल्यं वेदशब्देन'–20
(सू0 13) तक

इकाई 5 –क. महाभाष्य– पश्पशाह्निक – शेष भाग –20
ख. अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत

सन्दर्भग्रन्थ–

1. कारक प्रकरण – श्रीनिवास शास्त्री
2. कारक प्रकरण – डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र
3. कारक प्रकरण – डॉ0 राजकिशोरमणि पाण्डेय
4. महाभाष्यम् – युधिष्ठिर मीमांसक
5. महाभाष्य पश्पशाह्निक – राजकिशोरमणि त्रिपाठी
6. व्याकरण महाभाष्य – चारुदेव शास्त्री

एम0ए0–संस्कृत
तृतीय प्रश्नपत्र
काव्यशास्त्र तथा काव्य **पूर्णांक –100**

इकाई 1 – काव्यप्रकाश – चतुर्थ उल्लास– रसस्वरूपपर्यन्त (सू0 43)	–20
इकाई 2 – काव्यप्रकाश – चतुर्थ उल्लास– शेष भाग	–20
इकाई 3 – काव्यप्रकाश – पंचम उल्लास	–20
इकाई 4 – नलचम्पू – प्रथम उच्छ्वास	–20
इकाई 5 – अन्योक्तिविलासः	–20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री
3. काव्यप्रकाश – सत्यव्रत सिंह
4. नलचम्पू – धारादत्त शास्त्री
5. नलचम्पू – कैलाशपति त्रिपाठी
6. अन्योक्तिविलासः – डॉ0 राजदेव मिश्र
7. अन्योक्तिविलासः – डॉ0 तारिणीश झा

M. Tripathi

एम0ए0–संस्कृत

चतुर्थ प्रश्नपत्र

नाट्यशास्त्र एवं नाटक

पूर्णांक –100

इकाई 1 – दशरूपकम् – प्रथम प्रकाश –20

इकाई 2 – दशरूपकम् – द्वितीय प्रकाश –20

इकाई 3 – दशरूपकम् – तृतीय तथा चतुर्थ प्रकाश –20

इकाई 4 – उत्तररामचरितम् – 1 – 3 अंक –20

इकाई 5 – उत्तररामचरितम् – 4 – 7 अंक –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. दशरूपकम् – डॉ0 बैजनाथ पाण्डेय
2. दशरूपकम् – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी
3. दशरूपकम् – डॉ0 भोलाशंकर व्यास
4. उत्तररामचरितम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
5. उत्तररामचरितम् – ब्रह्मानन्द शुक्ल

एम0ए0–संस्कृत

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

संस्कृत साहित्य का इतिहास — पूर्णांक –100

इकाई 1 –	गद्यकाव्य – उद्भव तथा विकास, प्रमुख गद्यकाव्यों का परिचय	–20
इकाई 2 –	चम्पूकाव्य – लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख चम्पूकाव्यों का परिचय	–20
इकाई 3 –	कथासाहित्य – उद्भव तथा विकास, प्रमुख कथाग्रन्थों का परिचय	–20
इकाई 4 –	मुक्तककाव्य – उद्भव तथा विकास, प्रमुख मुक्तककाव्यों का परिचय	–20
इकाई 5 –	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय	–20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 ए0बी0 कीथ
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी
7. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास – उ0प्र0संस्कृत संस्थान

एम0ए0–संस्कृत

द्वितीय प्रश्नपत्र

व्याकरण तथा निबन्ध **पूर्णांक –100**

इकाई 1 – कृत्य प्रकिया तथा पूर्वकृदन्त –20

इकाई 2 – उणादि प्रत्यय तथा उत्तरकृदन्त –20

इकाई 3 – तद्धित प्रकरण – अपत्याधिकार –20

इकाई 4 – तद्धित प्रकरण – शैषिक तथा मत्वर्थीय –20

इकाई 5 – संस्कृत में निबन्ध –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भैमीव्याख्या
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी – धरानन्द शास्त्री
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्रीनिवास शास्त्री
4. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

एम0ए0–संस्कृत
तृतीय प्रश्नपत्र
काव्यशास्त्र

पूर्णांक –100

इकाई 1 – काव्यप्रकाश – षष्ठ तथा सप्तम् उल्लास– पददोष पर्यन्त	–20
इकाई 2 – काव्यप्रकाश – सप्तम् उल्लास – शेष भाग	–20
इकाई 3 – काव्यप्रकाश – अष्टम् उल्लास	–20
इकाई 4 – ध्वन्यालोक– प्रथम उद्योत – कारिका– 1– 10	–20
इकाई 5 – ध्वन्यालोक– प्रथम उद्योत – कारिका 11 – 19	–20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री
3. काव्यप्रकाश – सत्यव्रत सिंह
4. ध्वन्यालोक – आचार्य विश्वेश्वर
5. ध्वन्यालोक – डॉ0 रामसागर त्रिपाठी

एम0ए0–संस्कृत

चतुर्थ प्रश्नपत्र

काव्य

पूर्णांक –100

इकाई 1 – नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग – श्लोक 1– 70 –20

इकाई 2 – नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग – श्लोक 71–145 –20

इकाई 3 – कादम्बरी कथामुखम्– आरंभ से शुकसंवादवर्णनम् तक –20

इकाई 4 – क. कादम्बरी कथामुखम्– विन्ध्याटवी वर्णनम् से अन्त तक –20

ख. मेघदूतम् – पूर्वमेघः

इकाई 5 – मेघदूतम् – उत्तरमेघः –20

सन्दर्भग्रन्थ–

1. नैषधीयचरितम् प्रथमसर्ग – बद्रीनाथ मालवीय
2. नैषधीयचरितम् प्रथमसर्ग – तारिणीश झा
3. मेघदूतम् – संसारचन्द्र
4. मेघदूतम् – जनार्दन शास्त्री
5. कादम्बरी कथामुखम् – रतिनाथ झा
6. कादम्बरी कथामुखम् – डॉ0 अनुराग शुक्ल

मौखिक परीक्षा

पूर्णांक –100

संयोजक